उत्तेजित कर देती हैं । बोलता है तो इतने आवेश में कि हकलाने लगता है । दा साहब कभी नाराज नहीं होते उसकी इस बदमिजाजी पर । हँसकर इतना ही कहते हैं, 'तुम मेरे पूरक हो, भाई ।' यों भी दूसरों को उनकी कमजोरियों के साथ स्वीकार करना स्वभाव है दा साहब का ! कहना चाहिए, उदारता है उनकी । इसी उदारता ने लखन को एक हद तक ढीठ बना दिया है-बस, फनफनाता रहता है ।

(ग) लेकिन लाश के जाते ही एक अजीब तरह का सन्नाटा छा गया वहाँ । तनाव-भरा सन्नाटा। गाँव के पूरब में एक बड़ा-सा अखाड़ा है जुम्मन पहलवान का जिसमें तीस-चालीस पट्ठे लाल लँगोटे बाँधकर वर्जिश करते रहते हैं रात-दिन। दण्ड पेलना, लाठी भाँजना, मुगदर घुमाना, कुश्ती लड़ना... कुछ-न-कुछ चलता ही रहता है। शाम के समय काम से लौटते हुए लोग कुछ देर खड़े होकर तमाशा जरूर देखते। यह

32124

B.A. LL.B. (Hons.)

EXAMINATION, 2025

(Second Semester)

(Regular & Re-appear)

HINDI-II

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks :* 80

Before answering the question-paper, candidates must ensure that they have been supplied with correct and complete question-paper. No complaint, in this regard will be entertained after the examination.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2×8=16**

(क) "लावारिस लाश को गिद्ध नोंच-नोंचकर खा जाते हैं ।" 'महाभोज' उपन्यास की यह प्रथम पंक्ति है या अन्तिम ?

(ख) 'महाभोज' उपन्यास का कथानक किस गाँव के इर्द-गिर्द रचा गया है ?

(ग) 'महाभोज' उपन्यास में किसकी आकस्मिक मौत हो जाती है ?

(घ) 'महाभोज' उपन्यास का प्रकाशन किस वर्ष हुआ ?

(ङ) भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाएँ शामिल हैं ?

(च) अनुच्छेद 343(2) क्या है ?

(छ) सूचना का अधिकार भारत में कब लागू हुआ ?

(ज) क्या जनहित याचिका जिला न्यायालय में दायर की जा सकती है ?

2. निम्नलिखित पाठांश में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8×2=16**

(क) सच पूछा जाए तो बड़ा न आदमी होता है, न घटना । यह तो बस, मौके-मौके की बात होती है । मौका ही ऐसा आ पड़ा है । इस समय तो सरोहा में पत्ते का हिलना भी एक घटना की अहमियत रखता है । डेढ़ महीने बाद ही चुनाव है । यों उप-चुनाव विधानसभा की एक सीट-भर का, फिर भी है बहुत महत्त्वपूर्ण । इस सीट के लिए भूतपूर्व मुख्यमंत्री सुकुल बाबू खुद खड़े हो रहे हैं । सुकुल बाबू क्या खड़े हो रहे हैं, समझ लीजिए पिछले चुनाव में हारी हुई पूरी-की-पूरी पार्टी खड़ी हो रही है, खम ठोंककर... ललकारती हुई-सत्तारूढ़ पार्टी के पूरे अस्तित्व को चुनौती देती हुई ! वैसे पिछले चुनाव में हारने के बाद सुकुल बाबू ने बाकायदा ऐलान कर दिया था कि वे अब सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लेंगे ।

(ख) गुस्से से लखन की कनपटियों की उभरी हुई नसें तक फड़क रही हैं। कोई विश्वास करेगा कि यह दा साहब के संरक्षण में पला हुआ आदमी है ? एकदम उनके विपरीत । केवल रंग और कद-काठी में ही नहीं, स्वभाव और आदतों में भी । छोटी-छोटी बातें उसे बेहद

अखाड़ा गाँववालों के मनोरंजन का केन्द्र भी है, और आंतक का स्रोत भी। इसी अखाड़े की आबादी जब अपनी तेल-पिलाई हुई लाठियाँ लेकर गाँव के गली-बाजारों में उतर आती है तो सारे गाँव वालों को साँप सूँघ जाता है और सबकी जीभ तालू से चिपक जाती है ।

(घ) जिस दिन हरिजन बस्ती में आग लगी उस दिन से यह कोठी भी एक तरह से सुलग ही रही है । कोठी नहीं, कहना चाहिए लोचन भैया का मन सुलग रहा है । सरोहा-चुनाव के लिए सुकुल बाबू के वजन के जीतने भी नाम प्रस्तावित हुए, उन सबको धराशायी करके जिस बेशर्मी और ढिठाई के साथ दो कौड़ी की औकात वाले लाखन को खड़ा किया गया, उसने उस आग को और भड़का दिया । लेकिन बिसू की मौत से तो एकदम लपटें उठने लगी हैं उनके मन में । आत्मा के साथ बलात्कार करने की व्यथा क्या होती है, यह इन दिनों में ही जाना है लोचन भैया ने ! देश की गरीब जनता के प्रति पूरी तरह समर्पित उनका व्यक्तित्व उनके अपने लिए एक भारी समस्या बना गया है ।

3. ‘महाभोज’ उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए । **16**

अथवा

‘महाभोज’ उपन्यास में चित्रित समस्याओं का उल्लेख कीजिए ।

4. ‘राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक प्रावधान’ **अथवा** ‘लोक अदालत की प्रासंगिकता’ विषय पर निबंध लिखिए। **16**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **आठ** शब्दों का अंग्रेजी अर्थ लिखकर उनका हिन्दी वाक्यों में प्रयोग कीजिए : **2×8=16**

(i) व्यापार चिह्न

(ii) वादमूल

(iii) विधेयक

(iv) विधायक

(v) विधि के आधार

(vi) सौहार्दपूर्ण समझौता

(vii) संविदा भंग

(viii) स्वप्रेरणा

(ix) सुसंगत तथ्य

(x) सम्पुष्टि

(xi) संसदीय स्थायी समिति

(xii) विचारार्थ प्रस्ताव

(xiii) सर्वोच्च न्यायालय

(xiv) मध्यस्थ

(xv) भू-अभिलेख

(xvi) भू-राजस्व ।

❖❖❖❖❖❖❖❖